माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश

कक्षा 12 – राजनीति विज्ञान

मॉडल प्रश्न पत्र (SET–7)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक :** 70

प्रश्न-पत्र संरचना

- **बहुविकल्पीय प्रश्न**– 20 अंक
- **अति लघु उत्तरीय प्रश्न** – 10 अंक
- **लघु उत्तरीय प्रश्न (I)** – 12 अंक
- **लघु उत्तरीय प्रश्न (II)** – 16 अंक
- **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** – 12 अंक

कुल = 70 अंक

खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्न **(1x20= 20 अंक)**

1. शीत युद्ध की समाप्ति का सबसे प्रत्यक्ष कारण था—
   (क) गुटनिरपेक्ष आंदोलन
   (ख) सोवियत संघ का आर्थिक संकट
   (ग) संयुक्त राष्ट्र की भूमिका
   (घ) नाटो का विस्तार

2. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की मूल भावना थी—
   (क) सैन्य शक्ति संतुलन
   (ख) वैचारिक तटस्थता
   (ग) स्वतंत्र विदेश नीति
   (घ) सामूहिक सुरक्षा

3. बांडुंग सम्मेलन का ऐतिहासिक महत्व यह था कि—
   (क) एशिया-अफ्रीका देशों की एकता स्थापित हुई

(ख) NAM का औपचारिक गठन हुआ

(ग) संयुक्त राष्ट्र का विस्तार हुआ

(घ) शीत युद्ध समाप्त हुआ

4. शीत युद्ध काल में 'हॉटलाइन' की स्थापना का उद्देश्य था—

(क) गुप्तचर गतिविधियाँ

(ख) युद्ध की तैयारी

(ग) त्वरित कूटनीतिक संपर्क

(घ) सैन्य गठबंधन

5. भारतीय संघवाद में 'एकात्मक झुकाव' का प्रमुख कारण है—

(क) अवशिष्ट शक्तियाँ राज्यों के पास

(ख) आपातकालीन प्रावधान

(ग) द्विसदनीय संसद

(घ) स्वतंत्र न्यायपालिका

6. आपातकाल के दौरान केंद्र-राज्य संबंध—

(क) और अधिक विकेंद्रीकृत हो जाते हैं

(ख) अपरिवर्तित रहते हैं

(ग) अधिक केंद्रीकृत हो जाते हैं

(घ) समाप्त हो जाते हैं

7.s 73वें संशोधन का एक प्रमुख परिणाम था—

(क) न्यायपालिका का सशक्तीकरण

(ख) स्थानीय स्वशासन का संवैधानिकीकरण

(ग) राष्ट्रपति की शक्तियों में वृद्धि

(घ) संसद का विस्तार

8. संसदीय लोकतंत्र में वास्तविक सत्ता निहित होती है—

(क) राष्ट्रपति में

(ख) प्रधानमंत्री व मंत्रिपरिषद में

(ग) न्यायपालिका में

(घ) राज्यसभा में

9. दल-बदल विरोधी कानून का एक अप्रत्याशित परिणाम रहा—

(क) राजनीतिक स्थिरता

(ख) दलीय अनुशासन

(ग) आंतरिक लोकतंत्र में कमी

(घ) चुनावी सुधार

10. भारत में गठबंधन राजनीति का प्रभाव सबसे अधिक पड़ा—

(क) विदेश नीति पर

(ख) आर्थिक नीति पर

(ग) केंद्र-राज्य संबंधों पर

(घ) न्यायपालिका पर

11. क्षेत्रीय दलों की बढ़ती शक्ति ने दर्शाया—

(क) राष्ट्रीय एकता की कमजोरी

(ख) संघीय लोकतंत्र की मजबूती

(ग) सैन्य अस्थिरता

(घ) विदेश नीति का पतन

12. UNSC के सुधारों की माँग का प्रमुख आधार है—

(क) आर्थिक असमानता

(ख) प्रतिनिधित्व की कमी

(ग) सैन्य कमजोरी

(घ) वित्तीय संकट

13. भारत की "रणनीतिक स्वायत्तता" की नीति का एक लाभ है—

(क) सैन्य निर्भरता

(ख) स्वतंत्र निर्णय क्षमता

(ग) गुटीय प्रतिबद्धता

(घ) कूटनीतिक अलगाव

14. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सिफारिशें—

(क) न्यायिक रूप से बाध्यकारी

(ख) पूर्णतः अनिवार्य

(ग) परामर्शात्मक

(घ) संवैधानिक संशोधन योग्य

15. चुनाव आयोग की विश्वसनीयता का मुख्य आधार है—

(क) संसदीय नियंत्रण

(ख) कार्यपालिका की निगरानी

(ग) स्वतंत्रता और निष्पक्षता

(घ) न्यायिक अधीनता

16. मौलिक कर्तव्यों का उद्देश्य है—

(क) राज्य की शक्ति बढ़ाना

(ख) नागरिक अनुशासन विकसित करना

(ग) मौलिक अधिकार सीमित करना

(घ) न्यायपालिका को सशक्त करना

17. नीति निर्देशक तत्वों की प्रेरणा का मुख्य स्रोत है—

(क) अमेरिकी संविधान

(ख) आयरिश संविधान

(ग) ब्रिटिश परंपरा

(घ) फ्रांसीसी संविधान

18. संयुक्त राष्ट्र महासभा का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है—

(क) कानून बनाना

(ख) अंतरराष्ट्रीय चर्चा का मंच प्रदान करना

(ग) युद्ध घोषित करना

(घ) वीटो प्रयोग करना

19. लोकतांत्रिक शासन की गुणवत्ता मापी जाती है—

(क) सैन्य शक्ति से

(ख) आर्थिक वृद्धि से

(ग) जनभागीदारी से

(घ) प्रशासनिक केंद्रीकरण से

20. भारत की "बहुपक्षीय कूटनीति" का अर्थ है—

(क) एक गुट में शामिल होना

(ख) अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रियता

(ग) सैन्य तटस्थता

(घ) कूटनीतिक अलगाव

खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न **(1x10= 10 अंक)**

(10–25 शब्द)

21. शीत युद्ध का एक प्रमुख परिणाम लिखिए।

22. बांडुंग सम्मेलन का एक उद्देश्य लिखिए।

23. आपातकालीन प्रावधानों का एक प्रभाव लिखिए।

24. विकेंद्रीकरण का अर्थ लिखिए।

25. संसदीय प्रणाली की एक विशेषता लिखिए।

26. दल-बदल कानून का एक उद्देश्य लिखिए।

27. क्षेत्रीय दलों का एक राष्ट्रीय प्रभाव लिखिए।

28. मौलिक कर्तव्य का एक उदाहरण लिखिए।

29. UNSC के सुधार क्यों आवश्यक हैं?

30. रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ लिखिए।

खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I) **(2x6= 12 अंक)**

(50–100 शब्द)

31. शीत युद्ध के दौरान कूटनीति की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की बदलती भूमिका पर टिप्पणी कीजिए।

33. भारतीय संघवाद में आपातकालीन प्रावधानों का महत्व लिखिए।

34. गठबंधन सरकारों में नीति निर्माण की कठिनाइयाँ लिखिए।

35. क्षेत्रीय दलों और राष्ट्रीय एकता के संबंध पर चर्चा कीजिए।

36. संयुक्त राष्ट्र महासभा की सीमाओं का वर्णन कीजिए।

खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II) **(4 × 4 = 16 अंक)**

(100–125 शब्द)

37. शीत युद्ध के अंत के अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

38. भारतीय संघवाद में केंद्रीकरण की प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

39. गठबंधन राजनीति का भारतीय लोकतंत्र पर प्रभाव मूल्यांकित कीजिए।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक) **(6x2= 12 अंक)**

(लगभग 250 शब्द)

41. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की उत्पत्ति, उद्देश्य और समकालीन चुनौतियों का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।

42. भारत की विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता और बहुपक्षीयता की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।